B.A. Sanskrit
संस्कृत विषय के लिये विस्तृत पाठ्यक्रम
Detail of the Core Course for Sanskrit
सत्र- पंचम
Semester –5

आधारभूत पत्र (Core paper) **Paper Code BSA-E511**	**संस्कृत परम्परा में धर्म दर्शन एवं संस्कृति**	**पूर्णाङ्क 100** **सत्रान्त परीक्षा : 70** **सत्रीय मूल्याँकन : 30** **क्रेडिट : 06**

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

खण्ड- क (Section-A) धर्म

खण्ड- ख(Section-B) संस्कार एवं पुरुषार्थ चतुष्टय

खण्ड- ग(Section-C) स्वधर्म

पाठ्यक्रम का उद्देश्य –

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भारतीय दर्शन के प्रमुख तत्वों धर्म एवं संस्कृति के स्वरूप का परिचय प्रदान करना है।

पाठ्यक्रम-अध्ययनपरिणाम(Course Comes)-

- छात्र भारतीय दर्शन एवं संस्कृति के तत्वों को समझ कर अपने जीवन को सुखी एवं आनन्दित बनायेगें।
- धर्म एवं दर्शन के मूलतत्वों के समझने से सांप्रदायिक विद्वेष एवं कलह दूर होगा।

घटकानुरूप विभाजन (Unit-Wise Division)

खण्ड – क (Section–A)

धर्म

घटक (Unit)- 1–ईश्वर का स्वरूप एवं उपासना विषय (ऋग्वेदादिभाष्यभूमिका, महर्षि दयानन्द दसरस्वती) के अनुसार।

घटक (Unit)- 2 - धर्म का स्वरूप एवं दस-लक्षण। सत्य, अहिंसा, अस्तेय तथा अपरिग्रह का स्वरूप,

पञ्च-महायज्ञ एवं त्रिविध ऋण।

घटक (Unit)- 3- ईश्वरीय-सृष्टि के कारण-दैवीय भाग्य, अदृष्ट तथा त्रिविध कर्म - सञ्चित, क्रियमाण और प्रारब्ध तथा कर्मफल सिद्धान्त ।

खण्ड –ख (Section–B)

पुरुषार्थ चतुष्टय एवं संस्कार

घटक (Unit) –1 मानव जीवन का उद्देश्य - पुरुषार्थ चतुष्टय ।

घटक (Unit) – 2 संस्कारोंकी विधि, संस्कारोंका महत्त्व ।

खण्ड–ग (Section–C)

स्वधर्म

घटक (Unit) 1-नैतिकता का जीवन में महत्त्व- स्वधर्म(गीता अध्याय 18 श्लोक सं० ४१-४७), कर्मयोग (गीता अध्याय 3 के अनुसार), और स्थितप्रज्ञ (गीता अध्याय २, श्लोक सं.-54-72) ।

घटक (Unit) 2 - प्रकृति के गुणत्रय एवं उसका मनुष्य के व्यक्तित्व पर प्रभाव (गीता - अध्याय – 13, श्लोक सं.- 5,6 तथा अध्याय – 14, श्लोक सं.- 5,6,7,8, 11, 12, 13,17 ।

प्रश्नपत्र निर्माण-प्रारूप-

खण्ड क के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल पांच (लघूत्तरीय प्रश्न) समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक प्रश्न प्रष्टव्य रहेंगे ।

अंक 05x6= 30

खण्ड ख के अन्तर्गत सभी खण्डों से विकल्प के साथ कुल चार समालोचनात्मक / व्याख्यात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होगें ।

अंक 04x10= 40

Suggested Books/Readings:

1. Radhakrushana, Gītā.
2. Gītā with Hindi Translation, Gita Press, Goraphpur.
3.गीता,सामर्पणभाष्य,गुरुकुल प्रभात आश्रम, भोला झाल मेरठ
4. शिवदत्त ज्ञानी ,भारतीयसंस्कृति ।
5. पी.बी. काणे, धर्मशास्त्र का इतिहास (खंड -I) ।
7.ऋग्वेददिभाष्यभूमिका महर्षि दयानन्द दसरस्वती ।